वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 301 | गुरुवार 2 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

फोटोः संजय जैन @ 9414349477

विश्व प्रसिद्ध श्री महावीर जी का लक्खी मेला

आज निकलेगी भगवान महावीर की भव्य रथयात्रा

करौली/जयपुर. शाबाश इंडिया

''जियो और जीने दो'' का अमर संदेश देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में, दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में आयोजित आठ दिवसीय वार्षिक लक्खी मेले का उत्साह चरम पर है। मेले के मुख्य आकर्षण के रूप में आज, 2 अप्रैल (गुरुवार) को मंदिर प्रांगण से भगवान महावीर की विशाल रथयात्रा निकाली जाएगी।

महामस्तकाभिषेक और रथयात्रा का कार्यक्रम

प्रबंधकारिणी कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल और मानद मंत्री उमरावमल संघी ने बताया कि गुरुवार प्रातः भगवान महावीर की 24 फीट ऊँची खड्गासन प्रतिमा का मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे गाजे-बाजे और जयकारों के साथ भव्य रथयात्रा शुरू होगी।

इस शोभायात्रा में मुख्य आकर्षण

विशालकाय ऐरावत हाथी, निशान का घोड़ा और धर्म चक्र।
भट्टारक जी की पालकी और बैंड-बाजों का लवाजमा।
बैलों द्वारा खींचा जाने वाला मुख्य प्राचीन रथ।
यह रथयात्रा गंभीर नदी के तट पर पहुँचेगी, जहाँ आचार्य विमल सागर महाराज और मुनि संघ के सान्निध्य में भगवान का पंचामृत कलशाभिषेक एवं धर्मसभा आयोजित होगी।

सांस्कृतिक संध्या और राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

इससे पूर्व बुधवार को मेले में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। सायंकाल भगवान की संगीतमय

महाआरती के बाद शास्त्र प्रवचन हुए। रात्रि में 'महिला जागृति संघ' जयपुर द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। मेले के विशेष आकर्षण राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में देश के ख्यातनाम कवियों ने काव्य पाठ किया। हास्य सम्राट अनिल अग्रवंशी (दिल्ली), अमित शर्मा (वीर रस), बाबू बंजारा, शिखा अवधेश, दीपा सैनी और बाल कवयित्री सान्वी जैन ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भगवान महावीर के जीवन और सिद्धांतों पर प्रकाश डाला।

ग्रामीण खेलकूद और समापन

प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार, गुरुवार सायंकाल नदी तट पर ऊँट और घुड़दौड़ का रोमांचक आयोजन होगा। मेले का औपचारिक समापन शुक्रवार, 3 अप्रैल को ग्रामीण खेलकूद और कुश्ती-दंगल के साथ किया जाएगा।

श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

लक्खी मेले में शामिल होने के लिए जयपुर और आसपास के क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुँच रहे हैं। अकेले जयपुर से गुरुवार प्रातः 40 बसें और ग्रामीण क्षेत्रों से 25 विशेष बसें

श्रद्धालुओं को लेकर रवाना हुईं। मेले में जैन-अजैन समाज के लाखों लोग श्रद्धापूर्वक शामिल हो रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल है।

मुख्य उपस्थिति

इस अवसर पर संयुक्त मंत्री रुपिन काला, कोषाध्यक्ष हेमंत सोगानी, पूर्व अध्यक्ष नरेश कुमार सेठी, कार्यकारिणी सदस्य शांति कुमार जैन, प्रदीप कुमार जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

@... पेज 2 पर

भक्ति और आस्था का महासंगम

श्री महावीर जी के लक्खी मेले में आज गूंजेंगे भगवान महावीर के जयकारे, निकलेगी भव्य रथयात्रा

शिक्षा के क्षेत्र में जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर की अनूठी पहल

27 छात्रों को वितरित किए स्कूल बैग और स्टेशनरी

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा एक प्रेरणादायक सामाजिक सरोकार का आयोजन किया गया। 31 मार्च को राजवंश पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत आर्थिक रूप से कमजोर जैन विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई।

आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को संबल

ग्रुप द्वारा श्री कुशल विचक्षण जैन संस्कार धाम (टोंक फाटक, जयपुर) के छात्रावास में रहकर धार्मिक और स्कूली शिक्षा प्राप्त कर रहे 27 विद्यार्थियों को सहायता प्रदान की गई। गुलाबीनगर ग्रुप के सदस्यों के आर्थिक सहयोग से इन सभी छात्रों को स्कूल बैग, कॉपियाँ और अन्य स्टेशनरी प्रदान की गई। इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पांड्या और जयपुर रीजन के अध्यक्ष सुनील सुमन बज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही गुलाबीनगर ग्रुप की अध्यक्षा सुशीला विनोद बड़जात्या, विशिष्ट सलाहकार पदम भावसा, सचिव महावीर मुन्ना पांड्या और कोषाध्यक्ष निर्मल सेठी सहित अनेक गणमान्य सदस्यों ने अपनी सहभागिता निभाई।

शिक्षा का दान ही श्रेष्ठ दान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्रुप अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या ने कहा, ''यह आयोजन सभी सदस्यों की सामूहिक भावना का परिणाम है। हमारा मानना है कि शिक्षा के क्षेत्र में किया गया सहयोग सबसे श्रेष्ठ दान है, क्योंकि यही किसी बालक के भविष्य को गढ़ने का आधार बनता है।'' राजवंश स्कूल की निदेशक सीता चौहान और प्राचार्य नवल जैन ने ग्रुप की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

सफल संचालन और आभार

कार्यक्रम का कुशल संचालन दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'सम्यक' के अध्यक्ष डॉ. इन्द्र कुमार जैन द्वारा किया गया। अंत में ग्रुप सचिव महावीर पांड्या ने विद्यालय प्रबंधन, अतिथियों और सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल समापन की घोषणा की।

अर्हम फाउंडेशन की मानवीय पहल

बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडा वितरण और स्कूलों में कूलर भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। अर्हम फाउंडेशन ने अपनी सेवा परंपरा को जारी रखते हुए लगातार चौथे वर्ष दो महत्वपूर्ण सामाजिक अभियानों का सफल आयोजन किया। भीषण गर्मी के आगमन को देखते हुए संस्था ने बेजुबान पक्षियों के संरक्षण और स्कूली विद्यार्थियों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। अभियान के पहले चरण में जवाहर सर्किल स्थित पत्रिका गेट पर 'परिंडा वितरण' कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहाँ नागरिकों को 300 से अधिक जल पात्र (परिंडे) निःशुल्क वितरित किए गए। उपस्थित लोगों ने इन पात्रों को सुरक्षित स्थानों पर लगाने और नियमित पानी भरने की शपथ ली। दूसरे चरण में, संस्था द्वारा दुगार्पुरा स्थित राजकीय विद्यालय में छात्रों के लिए शीतल वातावरण सुनिश्चित करने हेतु 2 एयर कूलर, 2 पेडेस्टल पंखे और 2 सीलिंग पंखे भेंट किए गए। इसके साथ ही बच्चों को 5 वाटर कैंपर और 1600 कॉपियाँ भी प्रदान की गईं। फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेंद्र जैन ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य जारी रहेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजिका चित्रा सांघी, अनीता ठोलिया, रानी लुहाड़िया और विमला पहाड़िया का विशेष योगदान रहा।

आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में महावीर जयंती संपन्न

अहिंसा और अनेकांतवाद पर चर्चा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में महावीर जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन ने की। समारोह का शुभारंभ शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र कमलेश जैन द्वारा प्रस्तुत मंगलचरण से हुआ। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भगवान महावीर के सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे। छात्र श्रेयांस जैन ने कहा कि युद्ध की विभीषिका से जूझ रहे विश्व के लिए महावीर का अहिंसा का सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं, हर्ष जैन ने अनेकांतवाद पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह सिद्धांत हमें दूसरों के विचारों का सम्मान करना सिखाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक हिंसा का त्याग भी है। इस अवसर पर आयोजित प्रश्नोत्तरी, निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। चित्रकला में अभिषेक, आस्था और मुस्कान ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में मिति, आरुषि और प्राप्ति चंदेरिया विजयी रहे। साथ ही प्रश्नोत्तरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य अनिल जैन ने किया।

वेद ज्ञान

अदम्य बल, अटूट भक्ति

सुनील कुमार महला

2 अप्रैल 2026 को चैत्र मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर संपूर्ण विश्व में 'श्री हनुमान जन्मोत्सव' अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। भगवान श्री राम के अनन्य भक्त हनुमान जी को शक्ति, साहस, निष्ठा, विनम्रता और समर्पण का सर्वोच्च वैश्विक प्रतीक माना जाता है। इस पावन दिन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, सुंदरकांड और हनुमान चालीसा के पाठ की गूंज सुनाई देती है। भक्त बालाजी महाराज को चूरमा, लड्डू और सिंदूर अर्पित कर संकटों से मुक्ति की कामना करते हैं। त्रेतायुग के अंतिम चरण में अंजनी और केसरी के पुत्र के रूप में जन्में 'मारुति' का नाम इंद्र के वज्र प्रहार के कारण 'हनुमान' पड़ा। उन्हें भगवान शिव का ग्यारहवां 'रुद्र अवतार' और सप्त चिरंजीवियों में से एक माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, हनुमान जी असीम बल और तीक्ष्ण बुद्धि के अद्वितीय संगम हैं। श्रीरामचरितमानस के सुंदरकांड में उन्हें 'सकलगुणनिधानं' और 'ज्ञानिनामग्रगण्यम्' कहकर पुकारा गया है, जो उनकी विद्वत्ता की पराकाष्ठा को दर्शाता है। हनुमान जी केवल शारीरिक बल के ही नहीं, बल्कि योगिक शक्तियों के भी स्वामी हैं। वे अणिमा, लघिमा और महिमा जैसी 'अष्ट सिद्धियों' तथा कुबेर द्वारा प्रदत्त 'नव निधियों' के दाता हैं। उनके बल का आलंकारिक वर्णन अद्भुत है कहा जाता है कि हजारों इंद्रों का बल उनके एक रोम में निहित है। वे परिस्थिति के अनुसार मच्छर जैसा सूक्ष्म और सुरसा के सम्मुख विशाल रूप धारण करने में सक्षम हैं। बाल्यकाल में सूर्य को फल समझकर निगलने का प्रयास उनके अदम्य साहस और जिज्ञासा का प्रतीक है, जो युवाओं को अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाने का संदेश देता है। रामायण के युद्ध और श्रीराम के विजय अभियान में हनुमान जी का योगदान अद्वितीय है। समुद्र लांघकर सीता माता का पता लगाना, लंका दहन कर रावण के अहंकार को चुनौती देना और लक्ष्मण के प्राण बचाने हेतु पूरा द्रोणागिरि पर्वत उठा लाना, ये सभी प्रसंग उनके 'संकट मोचन' स्वरूप को सिद्ध करते हैं। उन्होंने वानर सेना के साथ मिलकर 52 किमी लंबे 'रामसेतु' के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हनुमान जी केवल योद्धा ही नहीं, बल्कि एक कुशल कूटनीतिज्ञ और नीतिज्ञ भी थे।

संपादकीय

टैलेंट की ताकत बनाम ताकत का टैलेंट

21वीं सदी की वैश्विक राजनीति आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां पारंपरिक कूटनीति, सैन्य शक्ति और व्यक्तिगत नेतृत्व शैली के बीच तीव्र टकराव हो रहा है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं के दौर में यह प्रश्न प्रासंगिक हो गया है कि क्या दुनिया 'टैलेंट की ताकत' से चल रही है या 'ताकत का टैलेंट' हावी हो चुका है? जब शक्ति विवेक पर हावी हो जाती है, तो वह नेतृत्व नहीं बल्कि 'दादागिरी' का रूप ले लेती है। ट्रंप के

नेतृत्व में 'अमेरिका फर्स्ट' नीति ने वैश्विक राजनीति में आक्रामकता और अनिश्चितता को जन्म दिया है। टैरिफ युद्ध और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं पर दबाव यह संकेत देते हैं कि अमेरिका अब केवल मार्गदर्शन नहीं, बल्कि पूर्ण नियंत्रण चाहता है। यूक्रेन के प्रति बदलता रुख और रूस के साथ रणनीतिक संतुलन यह दर्शाता है कि नीतियां अब स्थायी सिद्धांतों पर नहीं, बल्कि तात्कालिक परिस्थितियों पर आधारित हैं। यह 'टैलेंट' (कूटनीतिक कौशल) के बजाय 'ताकत' का शक्ति प्रदर्शन अधिक प्रतीत होता है। मध्य पूर्व में ईरान, इजराइल और खाड़ी देशों के बीच बढ़ता तनाव दुनिया को ऊर्जा संकट की ओर धकेल रहा है। 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' जैसे सामरिक मार्गों पर नियंत्रण की राजनीति यह सिद्ध करती है कि ऊर्जा अब केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक युद्धक हथियार है। मियामी सम्मेलन में ट्रंप द्वारा इसे गलती से 'स्ट्रेट ऑफ ट्रंप' कहना भले ही एक भाषाई चूक हो, लेकिन यह उनके भीतर गहरे बसे आत्म-केंद्रित शक्ति बोध को उजागर करता है। नोबेल शांति पुरस्कार हमेशा से मानवीय योगदान का प्रतीक रहा है। लेकिन जब कोई शक्तिशाली नेता इसे अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि से जोड़कर देखता है और न मिलने पर नाराजगी जाहिर करता है, तो संस्था की गरिमा पर प्रश्नचिन्ह लग जाता है। इसके विपरीत, वर्ष 2025 में वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाना यह दर्शाता है कि सच्चा 'टैलेंट' बिना किसी सैन्य बल के भी लोकतांत्रिक मूल्यों और संघर्ष के दम पर वैश्विक पहचान प्राप्त कर सकता है। ट्रंप का खुद को 'पीसमेकर' बताना और युद्धों को रोकने का दावा करना एक गंभीर विरोधाभास है, जबकि जमीन पर हिंसा और अस्थिरता बरकरार है। इसे 'ताकत का टैलेंट' कहा जा सकता है, जहाँ शब्दों के माध्यम से एक आभासी छवि बनाई जाती है, लेकिन वास्तविकता इसके उलट होती है। क्यूबा और ईरान पर बढ़ता दबाव और 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' जैसे दावे बताते हैं कि संवाद का स्थान अब शुद्ध शक्ति ने ले लिया है। किसी भी लोकतंत्र में 'टैलेंट' का अर्थ केवल निर्णय लेना नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतना भी है। अमेरिका की सड़कों पर लाखों लोगों का विरोध प्रदर्शन यह संकेत देता है कि जब नेतृत्व का अहंकार जनता की भावनाओं से टकराता है, तो 'ताकत' की सीमाएं स्पष्ट होने लगती हैं। वैश्विक राजनीति अब सिद्धांतों के बजाय केवल हितों पर आधारित होती जा रही है, जो भविष्य के लिए एक चेतावनी है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

भीड़ में भी अपनी अलग दुनिया

चुनौतियां और वैज्ञानिक दृष्टिकोण

दिलीप कुमार पाठक

दुनिया की इस आपाधापी और शोर-शराबे में जब हम 'सामान्य' होने का मुखौटा पहनकर भाग रहे होते हैं, तब हमारे बीच ही कुछ ऐसे मासूम चेहरे होते हैं जिनकी अपनी एक खामोश और बेहद निजी दुनिया होती है। हर साल 2 अप्रैल का दिन कैलेंडर में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में दर्ज है। लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि क्या हम वाकई इस शब्द के पीछे छिपे मर्म और संघर्ष को समझते हैं? ऑटिज्म, जिसे हिंदी में 'स्वलीनता' कहते हैं, कोई बीमारी नहीं है। यह तो कुदरत का एक अलग व्याकरण है, जहां किसी बच्चे के सोचने, समझने और दूसरों से जुड़ने का तरीका समाज के तय मानकों से थोड़ा भिन्न होता है। अक्सर हम ऐसे बच्चों को देखकर या तो नजरें चुरा लेते हैं या उन पर 'बेचारा' होने का ठप्पा लगा देते हैं। समाज की यही सतही सहानुभूति दरअसल उनके विकास के लिए सबसे बड़ा पिंजरा बन जाती है। हमें यह समझने की नितांत आवश्यकता है कि ऑटिज्म से प्रभावित व्यक्ति को हमारी दया की नहीं, बल्कि हमारे साथ, धैर्य और सम्मान की जरूरत है। वे दुनिया को उस नजरिए से नहीं देखते जैसे हम देखते हैं। उनके लिए रंगों के मायने अलग हो सकते हैं, भीड़ का शोर उन्हें डरा सकता है और उनकी खामोशी में ही सबसे गहरा संवाद छिपा हो सकता है।

लक्षणों की सूक्ष्मता और पहचान

पहचान की बात करें तो ऑटिज्म के लक्षण बहुत सूक्ष्म और विविधतापूर्ण होते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर सीधे नजरें मिलाने से कतराते हैं। उन्हें अपनी बात कहने या दूसरों के हाव-भाव समझने में कठिनाई होती है। कई बार वे एक ही क्रिया को बार-बार दोहराते हैं, जैसे हाथों को विशिष्ट तरीके से हिलाना या गोल घूमना। वे अपनी ही धुन में रहना पसंद करते हैं और अचानक हुए किसी तेज शोर या रोशनी से विचलित हो सकते हैं। यदि कोई बच्चा अपनी उम्र के अनुसार भाषा का प्रयोग शुरू नहीं कर रहा या सामाजिक मेलजोल से पूरी तरह कट रहा है, तो यह संकेत हो सकता है कि वह अपनी एक अलग दुनिया में स्वलीन है।

वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो यह एक 'न्यूरो-डेवलपमेंटल' स्थिति है जो जन्म से होती है और जीवन भर साथ रहती है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में हर सौ में से एक बच्चा ऑटिज्म के साथ पैदा होता है। भारत में जागरूकता की कमी के कारण इसे अक्सर दुर्भाग्यवश 'पागलपन' समझ लिया जाता है। विडंबना देखिए कि जिस बच्चे को सिर्फ थोड़े से धैर्य और विशेष प्रशिक्षण की जरूरत थी, उसे हम अपनी रूढ़ियों की वजह से समाज की मुख्यधारा से बाहर कर देते हैं। पिछले एक दशक से पत्रकारिता के माध्यम से समाज को करीब से देखते हुए मैंने महसूस किया है कि ऑटिज्म इलाज का नहीं, बल्कि 'एहसास' का विषय है। इसे एक 'स्पेक्ट्रम' कहा जाता है क्योंकि इसके लक्षण हर व्यक्ति में अलग होते हैं। कोई बच्चा गणित के जटिल सवालों को चुटकियों में हल कर देता है, तो कोई रंगों से ऐसी जादुई पेंटिंग बनाता है कि देखने वाले दंग रह जाएं। इतिहास गवाह है कि अल्बर्ट आइंस्टीन और आइजैक न्यूटन जैसे महान मस्तिष्क भी इसी श्रेणी में रखे जाते हैं। तो फिर हम क्यों इन बच्चों को दूसरों से कमतर आंकने की भूल करते हैं? आज के डिजिटल युग में, जहाँ हर रिश्ता 'लाइक' और 'कमेंट' तक सिमट गया है, ऑटिज्म से जूझ रहे लोग हमें मौन की असली ताकत और निश्छलता सिखाते हैं।

Shri Mahaveer College

Patronized by

Shri Mahaveer Digamber Jain Shiksha Parishad

National Service Scheme

Organizing

FREE MEDICAL CHECK-UP &
BLOOD DONATION CAMP

In Association With

Digamber Jain Social Group Foundation, Rajasthan Region

Apex Hospital & Shankara Eye Hospital

Date: 3rd April, 2026 (Friday)

(10:00AM to 2:00PM)

BLOOD DONATION CAMP

FREE CHECK-UPS

- Medicine
- ENT
- Orthopedics
- Dental
- Cardio
- Acupressure
- Homeopathic

TEST AVAILABLE

- Eyes Test
- ECG
- BMI
- Blood Group
- Blood Sugar
- BP

REGISTER NOW

For more Query call:

91-9414386759

91-9887156656

Venue:

Shri Mahaveer College,
Mahaveer Marg, C-Scheme,
Jaipur - 302001

आर्यिका अर्हम मति माताजी ससंघ का संघीजी मंदिर सांगानेर में भव्य मंगल प्रवेश

मंत्रोच्चार के साथ हुई शांतिधारा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन आचार्य विभव सागर महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका 105 अर्हम मति माताजी ससंघ (3 पिच्छिका) का सांगानेर स्थित अतिशय क्षेत्र श्री संघीजी मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आर्यिका माताजी प्रातः जय जवान कॉलोनी स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से विहार कर सांगानेर स्टेडियम पहुंचीं। वहां से बैण्ड-बाजों

के साथ विशाल जुलूस के रूप में संघीजी मंदिर के लिए प्रस्थान किया गया। मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पाद-प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर भक्ति भाव व्यक्त किया। संघीजी मंदिर पहुंचने पर मंदिर समिति एवं महिला मंडल द्वारा आर्यिका संघ की भव्य अगवानी की गई। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर प्रसाद जैन, मंत्री राकेश रावकां सहित अन्य पदाधिकारियों एवं समाजश्रेष्ठी आशीष जैन (एन्कटेक सॉफ्टवेयर) के नेतृत्व में श्रद्धालुओं ने मंगल आरती की। इस मौके पर जय जवान कॉलोनी दिगम्बर जैन मंदिर के मंत्री अनिल ठोलिया, सुमन ठोलिया, अंकित जैन (पदमपुरा), अनिष्का जैन, अन्वय जैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अध्यक्ष महावीर प्रसाद जैन एवं मानद मंत्री राकेश जैन ने बताया कि आर्यिका माताजी ने मंदिर दर्शन के उपरांत मंत्रोच्चार के साथ श्रीजी का अभिषेक किया तथा विश्व में सुख-समृद्धि, शांति और अमन-चैन की कामना करते हुए शांतिधारा सम्पन्न कराई। धर्मसभा में आर्यिका माताजी ने अपने प्रवचनों में युवाओं से धर्म क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया। सायंकाल आरती के पश्चात गुरु भक्ति एवं आनंद यात्रा का आयोजन किया गया। विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार आर्यिका माताजी का संघीजी मंदिर, सांगानेर में दो दिन का प्रवास रहेगा।

नीमच के डॉ. कृष्ण कुमार जैन और राहुल जैन उज्जैन में सम्मानित: जैन पत्रकार परिषद ने नवाजा

नीमच/उज्जैन. शाबाश इंडिया

जैन मीडिया कर्मियों के प्रतिष्ठित संगठन जैन पत्रकार परिषद द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अवार्ड एवं सम्मान समारोह में नीमच के वरिष्ठ पत्रकारों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। उज्जैन स्थित शंकराचार्य मठ में आचार्य विश्वरत्न सागर सुरीश्वर जी महाराज की पावन निश्रा में यह गरिमामय कार्यक्रम संपन्न हुआ। समारोह में 'महावीर प्रवाह' पत्रिका के सह-संपादक और अंतरराष्ट्रीय जैन साहित्य संगम के प्रदेश सचिव डॉ. कृष्ण कुमार जैन को निष्पक्ष और सक्रिय लेखन के माध्यम से शासन को गौरवान्वित करने के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में, नीमच जिला इकाई के अध्यक्ष राहुल जैन को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए परिषद के विशिष्ट राज्य स्तरीय अवार्ड से नवाजा गया। परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने डॉ. जैन और राहुल जैन को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर नीमच जिला इकाई के अन्य सदस्यों का भी उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में मालवा महासंघ सहित प्रदेश भर के बड़ी संख्या में जैन पत्रकार और गणमान्य जन उपस्थित रहे। डॉ. जैन ने आचार्य श्री का चरण वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रीमाल जैन महिला मंडल ने हर्षोल्लास से मनाया महावीर जन्म कल्याणक

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गूंजा परिसर

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था के महिला मंडल द्वारा भगवान महावीर का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव बड़े ही उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बबीता जैन द्वारा दीप प्रज्वलन और भगवान महावीर के चित्र अनावरण के साथ हुआ। सचिव संगीता जैन ने बताया कि समारोह का विशेष आकर्षण समता जैन द्वारा निभाई गई 'माता त्रिशला' की जीवंत भूमिका रही, जिसने सभी उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पिंकी जैन, माया जैन और उर्मिला जैन उपस्थित रहीं, जबकि प्रतिभा जैन ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। संस्था की परम संरक्षक चंद्रकला जैन ने सभी को महावीर जयंती की शुभकामनाएं देते हुए भगवान के सिद्धांतों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। महिलाओं द्वारा प्रस्तुत धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अंत में महिला मंडल की अध्यक्ष रेणु जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। यह आयोजन समाज में एकता और धार्मिक चेतना का प्रतीक बना।

दिगम्बर जैन महासमिति की अहम बैठक आयोजित

गंगापुर शाखा के अध्यक्ष बने विमल जैन गोधा, महिला अंचल की अध्यक्ष बनीं मोनिका जैन बज

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज के प्रमुख संगठन दिगम्बर जैन महासमिति की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र जैन पांड्या, महिला अंचल की प्रदेश अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका, रीजन उपाध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी एवं मृदुला जैन पांड्या सहित निवाई अंचल की महिला अध्यक्ष श्रीमती शशि सोगानी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर महासमिति के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र जैन पांड्या ने संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज पूरे भारत में दिगम्बर जैन महासमिति के माध्यम से समाज एकजुट हो रहा है। यह संगठन धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों के प्रति सदैव समर्पित है तथा देव, शास्त्र और गुरु की सेवा में निरंतर तत्पर रहता है। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से समाज के युवाओं और महिलाओं में नेतृत्व की भावना विकसित होगी, साथ ही उन्हें सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन के अवसर भी प्राप्त होंगे। महिला अंचल की प्रदेश अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका ने बताया कि राजस्थान में दो दर्जन से अधिक महिला शाखाएं सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं और समाज की प्रगति में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बैठक में सर्वसम्मति से गंगापुर सिटी में दिगम्बर जैन महासमिति की शाखा एवं महिला अंचल शाखा के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। उपस्थित सदस्यों की सहमति से राष्ट्रीय महासचिव सुरेंद्र जैन पांड्या ने गंगापुर शाखा के अध्यक्ष पद के लिए शिक्षाविद् विमल जैन गोधा का नाम प्रस्तावित किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसी प्रकार महिला अंचल शाखा के अध्यक्ष पद हेतु सक्रिय समाजसेविका मोनिका जैन बज का नाम प्रदेश अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका द्वारा प्रस्तावित किया गया, जिसे सभी सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ अनुमोदित किया। शीर्ष नेतृत्व द्वारा नव-मनोनित अध्यक्षों को शीघ्र ही पूरी कार्यकारिणी का गठन करने एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर सुमेर जैन सोनी, डॉ. मनोज जैन, प्रवीन जैन गंगवाल, नरेंद्र जैन, नृपत्या जैन, रमेश जैन, जगदीश जैन, महेश जैन, मंगल जी, राजेश जैन, कृष्ण कुमार जैन, निलेश जैन, पंकज जैन, सुभाष सोगानी, धर्मेंद्र जैन, दीप शेखर जैन, प्रेमचंद जैन, बाबूलाल जैन, मुकेश जैन, विनोद देवी जैन, अंजना जैन, नीरा गंगवाल, नीता जैन, शशि जैन, विद्या जैन, निशा जैन, प्रीति जैन, नीरू जैन, दीप्ति जैन, माया जैन, मंजू जैन, चंद्रेश जैन, शकुंतला जैन, डॉ. सुलेखा जैन सहित अनेक सदस्यों ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष विमल जैन गोधा एवं मोनिका जैन बज का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

भगवान का अभिषेक सर्वांग एवं मस्तक पर विवेकपूर्वक करना चाहिए: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज की मूल बाल ब्रह्मचारी पट्ट परंपरा के पंचम पट्टाधीश, वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज संघ सहित चौकड़ी पाटोदी मंदिर में विराजमान होकर जयपुर के विभिन्न जिनालयों में दर्शन प्रदान कर रहे हैं। इसी क्रम में श्री 1008 पार्श्वनाथ जिनालय में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने अभिषेक की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भगवान पार्श्वनाथ पर अनेक भवों में उपसर्ग हुए, किंतु उन्होंने सदैव समता, धैर्य और क्षमाभाव को धारण किया। उनके जीवन से हमें संयम और सहनशीलता की प्रेरणा मिलती है। आचार्य श्री ने कहा कि भगवान के दर्शन कर अभिषेक अवश्य करना चाहिए, किंतु यह कार्य विवेकपूर्वक होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभिषेक करते समय भगवान के सर्वांग एवं मस्तक पर श्रद्धा और मयार्दा के साथ जल अर्पित करना चाहिए, न कि केवल भावावेश में आकर। भक्ति में संतुलन और संयम आवश्यक है। आचार्य श्री ने आगे कहा कि श्री आदिनाथ भगवान से लेकर श्री महावीर स्वामी तक सभी तीर्थंकरों ने धर्म का प्रवर्तन कर मानव जीवन को सार्थक बनाने का मार्ग दिखाया है। यह जानकारी राजेश पंचोलिया, इंदौर द्वारा दी गई।

महावीर जयंती पर जैन सोशल ग्रुप अरिहंत और नॉर्दर्न रीजन ने किया भव्य स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन (नॉर्दर्न रीजन) और जैन सोशल ग्रुप अरिहंत के संयुक्त तत्वावधान में महावीर जयंती की भव्य शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर सूरजमल लाभचंद जैन प्रतिष्ठान के सामने एक विशाल मंच बनाया गया, जहाँ से शोभायात्रा में सम्मिलित 24 तीर्थंकरों के रथों, मनमोहक झांकियों और महिला मंडलों का अभिनंदन किया गया। श्रद्धालुओं को आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज एवं आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज के दर्शन और आरती का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में फेडरेशन उपाध्यक्ष महेंद्र गिरधरवाल, रीजन चेयरमैन राजीव पाटनी, सुभाष बज, महेंद्र सिंघवी और राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। अरिहंत ग्रुप के अध्यक्ष अमरचंद दीवान, सचिव कमलेश चांदवाड़ और कार्यकारी सचिव प्रतीक जैन ने अतिथियों का तिलक, माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महेंद्र नीलम पाटनी, तरुण जैन और राजेश सेठी का विशेष योगदान रहा। ग्रुप की ओर से शोभायात्रा में पधारे सभी समाज बंधुओं के लिए शीतल ठंडाई की व्यवस्था भी की गई।

महावीर जयंती पर जीव दया का अनूठा उदाहरण

दुर्गापुरा गौशाला में गायों को '56 भोग' का अर्पण

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर जैन सिटीजन फाउंडेशन (जीसीएफ) ट्रस्ट द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत एक पुनीत कार्य का आयोजन किया गया। राजस्थान गौ सेवा संघ और देशी गौ माता तीर्थ धाम के विशेष सहयोग से दुर्गापुरा स्थित गौशाला में गौ माता की विधिवत पूजा-आरती की गई। इसके पश्चात श्रद्धापूर्वक गायों को '56 भोग' का प्रसाद खिलाया गया। जीसीएफ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद जैन पहाड़िया ने इस अवसर पर आगामी सेवा कार्यों की घोषणा करते हुए बताया कि ट्रस्ट द्वारा अप्रैल और मई के भीषण गर्मी वाले महीनों में जीव-प्राणी दया अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत पक्षियों के लिए शहर भर में परिंडे बांधे जाएंगे और राहगीरों के लिए जगह-जगह शीतल पेयजल की प्याऊ लगवाई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा, नीरज गंगवाल, जेके जैन, रश्मि कांत सोनी और प्रवीण जैन बड़जात्या सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। ट्रस्ट की इस पहल ने समाज में जीव मात्र के प्रति करुणा और सेवा का सकारात्मक संदेश दिया है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

गुलाबी नगरी में महावीर जन्म कल्याणक की धूम

जैन युवा परिषद हेरिटेज ने पुष्प वर्षा से किया भव्य स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर गुलाबी नगरी जयपुर में भक्ति का ऐतिहासिक सैलाब उमड़ पड़ा। इस पावन उपलक्ष्य में निकलने वाली अविस्मरणीय शोभायात्रा का अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद (हेरिटेज संभाग) द्वारा विशाल मंच सजाकर पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक विनोद पापड़ीवाल ने बताया कि समारोह का शुभारंभ संजय-अंजना जैन द्वारा चित्र अनावरण और रमेश-माया तिजारिया द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा करने का सौभाग्य राजेश-वर्षा बाकलीवाल, कैलाश-माणक और रमेश ठोलिया ने प्राप्त किया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय संगीतकार नरेन्द्र कुमार जैन की विशेष प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को प्रभु भक्ति के रंग में सराबोर कर दिया, जिससे पूरा शहर 'महावीर के जयकारों' से गुंजायमान हो उठा। मंच का प्रभावी संचालन सुनीता गंगवाल ने किया, जिन्होंने अपनी वाकपटुता से सभी आगंतुकों को आकर्षित किया। संभाग अध्यक्ष रूपेन्द्र जैन, मंत्री नरेश छाबड़ा, संतोष छाबड़ा, अक्षय बिलाला, संजय छाबड़ा और दिनेश जैन ने कार्यक्रम में पधारे सभी श्रावकों का दुपट्टा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। परिषद की इस पहल ने शोभायात्रा की भव्यता में चार चाँद लगा दिए और समाज में एकता व उत्साह का अनूठा संदेश दिया।

महावीर जयंती पर जनकपुरी-ज्योति नगर जैन मंदिर में भव्य "जन्म कल्याणक महोत्सव" सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

अनंत करुणा, अहिंसा और आत्मजागरण के प्रतीक भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर जनकपुरीझ ज्योति नगर स्थित जैन मंदिर में महिला मंडल द्वारा श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ विविध धार्मिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। सम्पूर्ण मंदिर परिसर ह्यमहावीर जयंतीह्व के मंगल ध्वनि से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पालना झुलाना एवं गोद भराई की पारंपरिक रस्में रहीं, जिनमें भगवान महावीर के जन्मोत्सव की दिव्यता का सजीव चित्रण हुआ। भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालु महिलाएं भक्ति रस में सराबोर नजर आईं। यह आयोजन पूज्य आर्यिका रत्न अर्हमश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। उनके आशीर्वचन से वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अनीता बिंदायका ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति से कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं दिव्य बना। कार्यक्रम में माता-पिता की भूमिका श्री मिश्रीलाल जैन एवं श्रीमती मंजू काला ने निभाई। शची इंद्राणी एवं इंद्र के रूप में श्रीमती पूनम जैन एवं श्री हरीश जैन ने प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इंद्राणियों के रूप में मीना, उर्मिला, रजनी, अंजू, सुलोचना, अलका, शकुंतला, सुनीता, रानी, बीना एवं निशा जैन ने भावपूर्ण सहभागिता की। अष्ट कुमारिकाओं के रूप में पाखी, सावी, लितांशी, पंखुड़ी, दिशा, चेष्टा एवं याना जैन ने अपनी मनोहारी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती छाया ठोलिया ने किया। संयोजन पंडित शिखर जैन एवं श्रीमती किरण जैन द्वारा किया गया, जबकि मंगलाचरण प्रियंका बिंदायका ने प्रस्तुत किया। अपने प्रवचनों में पूज्य आर्यिका माताजी ने कहा कि महावीर जन्म कल्याणक केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, संयम और आध्यात्मिक जागरण का पर्व है। यह दिवस अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह एवं करुणा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। अंत में श्रद्धालुओं ने ''जीयो और जीने दो'' के संदेश के साथ भगवान महावीर के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

पिंक सिटी के ऋषभ जैन का जलवा

'इंडियन प्रो बैडमिंटन लीग' की हैदराबाद टीम में चयन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान की खेल प्रतिभाओं के लिए यह गर्व का क्षण है कि जयपुर के अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी ऋषभ जैन का चयन 'इंडियन प्रो बैडमिंटन लीग 2026' के लिए हुआ है। नीलामी (ऑक्शन) के दौरान उन्हें 'शटल स्नाइपर्स हैदराबाद' टीम ने अपनी टीम में शामिल किया है। अपनी शानदार तकनीक और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर ऋषभ ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। टीम की निदेशक एवं प्रसिद्ध अभिनेत्री फलकनाज ने मीडिया से बातचीत में ऋषभ जैन और तृप्ति जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के जुड़ाव पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों के अनुभव से 'शटल स्नाइपर्स हैदराबाद' का संतुलन और भी बेहतर हुआ है, जिससे आगामी लीग में टीम की दावेदारी अत्यंत मजबूत हो गई है। फलकनाज ने विश्वास जताया कि उनकी टीम इस वर्ष ट्रॉफी जीतने की प्रबल दावेदार होगी। ऋषभ जैन की यह उपलब्धि न केवल जयपुर बल्कि पूरे राजस्थान का नाम खेल जगत में रोशन करती है। यह सफलता प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और दशार्ती है कि राजस्थान की प्रतिभाएं अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

बापू नगर में सकल जैन समाज द्वारा णमोकार मंत्र पाठ एवं भक्ति संध्या आयोजित

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में सकल जैन समाज द्वारा सामूहिक रूप से णमोकार मंत्र का पाठ एवं भक्ति संध्या का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि मंदिर प्रांगण में दिगंबर एवं श्वेतांबर सकल जैन समाज के श्रद्धालुओं ने एक साथ णमोकार मंत्र का पाठ कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात भक्ति गीतों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भक्ति रस में सराबोर महिलाओं ने नृत्य करते हुए अपनी श्रद्धा व्यक्त की, वहीं पुरुष एवं युवाओं ने भी ''पारस प्यारी लागे'' जैसे भक्ति गीतों पर झूमते हुए कार्यक्रम का आनंद लिया। इस अवसर पर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बापू नगर के अध्यक्ष अमित चौधरी एवं मंत्री अनिल विस्लोत, आचार्य महाप्रज्ञ सेवा संस्थान के अध्यक्ष अनिल सिंघवी एवं मंत्री पवन कोठारी, श्री संभवनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर समिति के अध्यक्ष मनीष बाफना एवं मंत्री दिनेश गोलेछा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने महावीर जन्मोत्सव के अवसर पर सकल जैन समाज द्वारा निकाली गई प्रभात फेरियों में समाजजनों की सक्रिय भागीदारी को सराहनीय बताते हुए इसे एकता और उत्साह का प्रतीक बताया। मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने इसे सामाजिक एकता की मिसाल बताया, वहीं कोषाध्यक्ष राजेंद्र सोगानी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

काठमांडू में गूंजे भगवान महावीर के जयकारे

काठमांडू के कमल पोखरी जैन मंदिर में भक्तिभाव से मनाया गया जन्म कल्याणक

काठमांडू (नेपाल). शाबाश इंडिया

नेपाल की पुण्य धरा पर स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, कमल पोखरी में 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास और अटूट भक्ति के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर आयोजित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों ने पूरे काठमांडू को जैन धर्म के रंग में सराबोर कर दिया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी ने बताया कि उत्सव का शुभारंभ प्रातःकाल में भगवान की प्रतिमाओं की तीन परिक्रमाओं के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा और नित्य पूजन संपन्न किया गया। श्रीजी के अभिषेक और शांतिधारा का सौभाग्य पवन कुमार चंदा जैन परिवार को, जबकि महाआरती का पुण्य लाभ संजय-प्रियंका काला परिवार को प्राप्त हुआ। महोत्सव के विशेष आकर्षण के रूप में भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। इसमें हाथों में जैन ध्वजा और भगवान महावीर के संदेश वाले बैनर लिए श्रावक-श्राविकाएं 'वीर प्रभु' के जयकारे लगाते हुए नगर भ्रमण पर निकले। जुलूस में पुरुष श्वेत वस्त्रों में और महिलाएं पीली साड़ियों में सम्मिलित हुईं, जिससे दृश्य अत्यंत मनोहारी लग रहा था।

संतों का मंगल संदेश

सभा के दौरान आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज, आचार्य श्री श्रुत सागर जी महाराज और गणिनी प्रमुख आर्यिका शिरोमणि ज्ञानमती माताजी के मंगल आशीर्वाद संदेशों का वाचन किया गया। इन संदेशों ने श्रद्धालुओं को भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर चलने की प्रेरणा दी।

सांस्कृतिक और भक्तिमय संध्या

संध्याकाल में 108 दीपकों से संगीतमय महाआरती की गई, जिससे पूरा मंदिर प्रांगण आलोकित हो उठा। इसके उपरांत णमोकार महामंत्र के पाठ और धार्मिक प्रतियोगिताओं (हाउजी) के साथ-साथ भक्तिमय भजनों ने वातावरण को धर्ममय बना दिया। पूरे मंदिर परिसर को विशेष रोशनी और फूलों से सजाया गया था।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

इस भव्य आयोजन में कोषाध्यक्ष राजेश काला, सचिव संजय गुड्डू जैन, सदस्य प्रदीप जैन, अंकित सरावगी, संजय काला, राकेश काला

और प्रशांत कासलीवाल सहित दिल्ली से आए तीर्थयात्री और स्थानीय जैन समाज के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। अंत में अध्यक्ष सुभाष सेठी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

फागी परिक्षेत्र के जिनालयों में गूंजे प्रभु के जयकारे

भगवान पद्मप्रभ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे सहित आसपास के क्षेत्र चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाड़िया और लदाना के जिनालयों में जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पद्मप्रभ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के श्रावक-श्राविकाओं ने अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर विश्व शांति की कामना की।

नसियां जी में विशेष अनुष्ठान

जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि कस्बे के श्री चंद्रप्रभु नसियां जी में प्रातःकाल भगवान का अभिषेक और शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पूजन कर आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज, आचार्य सुनील सागर जी, प्रज्ञा सागर जी महाराज और समाधिस्थ गुणसागर जी महाराज सहित विभिन्न आचार्यों एवं आर्यिका माताओं के चरणों में अर्घ्य अर्पित किए। छठे तीर्थंकर भगवान पद्मप्रभ के ज्ञान कल्याणक का मुख्य अर्घ्य चढ़ाकर देश और विश्व में सुख-समृद्धि की मंगल भावना भाई गई।

भगवान पद्मप्रभ का जीवन परिचय

कार्यक्रम के दौरान कैलाश कलवाड़ा और पारस नला ने संयुक्त रूप से भगवान पद्मप्रभ के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भगवान पद्मप्रभ का जन्म कौशांबी नगरी में राजा धरण और माता सुसीमा के यहाँ हुआ था। उनका प्रतीक चिन्ह कमल है। उन्होंने चैत्र शुक्ला पूर्णिमा के पावन दिन केवल ज्ञान प्राप्त किया था और अंत में शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर जी से मोक्ष प्राप्त कर सिद्ध पद प्राप्त किया। इस धार्मिक आयोजन में सोहनलाल

झंडा, सुरेश सांघी, सुरेश मांदी, रतनलाल नला, विनोद कलवाड़ा, टीकम गिंदोढी, महेंद्र बावड़ी, रमेश जैन, महेश बावड़ी, सुनील मोदी और संतोष बावड़ी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महिला मंडल की ओर से सुरज्ञानी देवी, नोरती गिंदोढी, मैना जैन, मंजू गर्ग, विमला मांदी, संजू गर्ग और ममता बावड़ी सहित अनेक श्राविकाओं ने भक्ति भाव से भजनों की प्रस्तुति दी। राजाबाबू गोधा (मीडिया प्रवक्ता, जैन महासभा राजस्थान) के अनुसार, पूरे परिक्षेत्र में इस महोत्सव को लेकर समाज में भारी उत्साह देखा गया।

बजरंगबली करिए ऐसी कृपा...

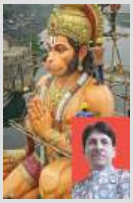

चैत्र की पूर्णिमा का पावन उजियारा,
हर दिल में गूँजे जयकारा तुम्हारा।
हे अंजनी के लाल, ओ पवनसुत वीर,
तुम संकट हरने वाले, भक्तों के धीर।

लाल सिंदूर में सज रहा तुम्हारा रूप,
भक्ति में डूबा हर जन, स्वर अनूप।
प्रभु! तुमसे ही साहस, तुमसे ही बल,
हर मुश्किल में तुम ही बनते हो संबल।

आओ 'राम' नाम की ज्योति जलाएँ,
जो सब अंधकार में राह दिखाए।
तुमरी कृपा से मिटे हर पीड़ा, हर भय,
जीवन में भर जाती है एक नई लय।

तुम मंगलकारी, संकटमोचन कहलाए,
भक्तों के कष्ट जो क्षणभर में मिटाए।
हे प्रभु! तेरी भक्ति में जो मन रम जाए,
उसका यह जीवन सफल हो जाए।

हे बजरंगबली! करिए हम पर ऐसी कृपा,
हृदय में बस जाए छवि सदा स्वरूपा।
लीला जय हनुमान की गूँजती हर द्वार,
भक्तिमय होकर निखर जाए सारा संसार।

– संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर, मध्य प्रदेश

लार गजरथ महोत्सव

बालक आदिनाथ की मुनि अवस्था का जीवंत चित्रण, मनाया गया ज्ञान कल्याणक

लार (टीकमगढ़). शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर लार में आयोजित पंचकल्याणक एवं गजरथ महोत्सव के पांचवें दिन भगवान आदिनाथ का ज्ञान कल्याणक भक्तिभाव के साथ मनाया गया। प्रातः काल बालक आदिनाथ की मुनि अवस्था और उनके प्रथम आहार चर्या का मनोहारी चित्रण किया गया। इस दौरान राजा श्रेयांश के रूप में पात्र विवेक जैन-प्रीति जैन और राजा सोम के रूप में प्रवीण जैन-निधि जैन ने मुनिराज को नवधा भक्ति के साथ आहार दान दिया। महोत्सव में आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों के मध्य भी सम्यक विचारों को नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने जीवन जीने की ऐसी पद्धति निर्मित करने पर जोर दिया जो विश्व के लिए आदर्श बने।

आचार्य श्री ने बताया कि तीर्थंकर प्रभु को केवलज्ञान (सर्वज्ञता) प्राप्त होने के उपलक्ष्य में इंद्रों द्वारा भव्य समवसरण की रचना की गई, जहाँ प्रभु की दिव्यध्वनि से आत्म-कल्याण का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस ऐतिहासिक प्रसंग के साक्षी बनने के लिए विधायक यादवेन्द्र सिंह बुंदेला, जितेंद्र क्रांतिकारी और संतोष घड़ी सहित देश भर से हजारों श्रद्धालु सम्मिलित हुए। संपूर्ण लार कस्बा 'आदिनाथ भगवान की जय' के जयकारों से गुंजायमान रहा।

आगरा में आस्था का ऐतिहासिक सैलाब

12 वर्ष बाद मोती कटरा से निकली भगवान महावीर की भव्य रथयात्रा

आगरा. शाबाश इंडिया

ताजनगरी आगरा में भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर श्रद्धा, उल्लास और अभूतपूर्व भव्यता का संगम देखने को मिला। श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर (मोती कटरा) से निकली इस विशाल रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ लिया। विशेष बात यह रही कि पूरे 12 वर्षों के अंतराल के बाद मोती कटरा क्षेत्र को इस ऐतिहासिक शोभायात्रा की मेजबानी का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सांसद ने दिखाई हरी झंडी, पीएनसी परिवार ने की प्रथम आरतीः रथयात्रा का शुभारंभ आचार्य श्री चैत्य सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में हुआ। प्रातः 8:30 बजे राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने भगवा ध्वज दिखाकर रथों को रवाना किया। इस पावन अवसर पर भगवान की प्रथम आरती करने का सौभाग्य प्रदीप जैन (पीएनसी परिवार) को प्राप्त हुआ।

आकर्षण का केंद्र रहीं धार्मिक झांकियां और सांस्कृतिक दल

रथयात्रा में भक्ति और कला का अद्भुत सम्मिश्रण दिखाई दिया। इसमें 12 बैंड, 12 बगियां, ताशा दल और जैन ध्वज के साथ कई प्रेरणादायक झांकियां शामिल थीं। प्रमुख झांकियों मेंः

आचार्य विद्यासागर जी महाराज और बाहुबली भगवान के जीवन दृश्य।

माता के 16 स्वप्न, कुबेर द्वारा धनवर्षा और अहिंसा का संदेश।

चंदनबाला आहार और पावापुरी के मनोहारी चित्रण।

देश के विभिन्न कोनों से आए कलाकारों ने समां बांध दिया। एटा का प्रसिद्ध मयूर नृत्य, असम की म्यूजिकल प्रस्तुति, महाराष्ट्र की डीजे पार्टी और राजस्थान के लोक कलाकारों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। चांदी का रथ, हाथी-घोड़ों वाले रथ और पांडुक शिला रथ विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

नगर भ्रमण और भव्य स्वागत

मोती कटरा से प्रारंभ होकर यह यात्रा हींग की मंडी, फव्वारा, सुभाष बाजार, जौहरी बाजार और दरेसी होते हुए एम.डी. जैन इंटर कॉलेज (हरीपर्वत) पहुँची। पूरे मार्ग को तोरण द्वारों और स्वागत मंचों से सजाया गया था। जगह-जगह सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा और शीतल जलपान की व्यवस्था की गई। व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए पूरी यात्रा को चार प्रमुख सेक्टरों में विभाजित किया गया था।

अभिषेक और बाल स्वरूप का पालना

एम.डी. जैन इंटर कॉलेज परिसर में निर्यापक मुनि श्री विलोक सागर जी महाराज एवं आर्यिका श्री सत्यमति माताजी के सानिध्य में भगवान का विधिवत अभिषेक और शांतिधारा संपन्न हुई। रात्रि में समस्त महिला समाज द्वारा भगवान के बाल स्वरूप को पालने में झुलाने का भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें भजनों और नृत्यों की सुंदर प्रस्तुतियाँ दी गईं।

बापूनगर में 'सम्यग्ज्ञान अनुशीलन केंद्र' का भव्य शिलान्यास

गंगवाल परिवार ने पुरखों की स्मृति में संजोया तत्त्वज्ञान का केंद्र

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजधानी के बापूनगर स्थित नंदकिशोर पारीक मार्ग पर 'सम्यग्ज्ञान अनुशीलन केंद्र' का भव्य शिलान्यास समारोह मंत्रोच्चार और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। वीतरागी तत्त्वज्ञान के संरक्षण और उच्च स्तरीय शोध के उद्देश्य से स्थापित यह केंद्र क्षेत्र में आध्यात्मिक और शैक्षणिक चेतना के नए युग का सूत्रपात करेगा। इस भव्य भवन का निर्माण स्व. श्री रतनचंद जी एवं श्रीमती हीरादेवी गंगवाल की पावन स्मृति में उनके सुपुत्रों—अनिल, सुनील और राकेश गंगवाल सहित समस्त गंगवाल परिवार द्वारा करवाया जा रहा है। शिलान्यास समारोह पंडित जिनेन्द्र शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें डॉ. शान्तिकुमार पाटिल, श्री परमात्मप्रकाश भारिल्ल और डॉ. अखिल बंसल जैसे प्रख्यात विद्वानों का मंगलमय सान्निध्य प्राप्त हुआ। संस्थान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्वानुभव शास्त्री ने बताया कि यहाँ विशाल पुस्तकालय, आधुनिक सेमिनार हॉल और शोधार्थियों के लिए सर्वसुविधायुक्त आवास की व्यवस्था होगी। केंद्र का मुख्य लक्ष्य प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण, संस्कृत-प्राकृत भाषा का प्रचार और जैन दर्शन के माध्यम से समाज में नैतिक चेतना का विकास करना है। इस पुनीत प्रकल्प की सफलता में 'सम्यग्ज्ञान प्रचार-प्रसार ट्रस्ट' का विशेष सहयोग रहा।

नवापारा-राजिम में गूंजा 'जय महावीर'

श्रद्धा और सेवा के साथ संपन्न हुआ जन्म कल्याणक महोत्सव

नवापारा/राजिम. शाबाश इंडिया। अहिंसा के अवतार भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव नवापारा और राजिम क्षेत्र में अभूतपूर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव का शुभारंभ तड़के प्रभात फेरी और भव्य शोभायात्रा से हुआ। सुसज्जित रथ पर विराजमान प्रभु की मनमोहक प्रतिमा के दर्शन हेतु श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्वेत वस्त्रधारी श्रावक-श्राविकाएं 'जियो और जीने दो' के जयघोष के साथ अहिंसा का संदेश देते चल रहे थे। जिनालयों में स्वर्ण व रजत कलशों से भगवान का मंगल अभिषेक और शांतिधारा संपन्न हुई। इस अवसर पर विशेष रूप से जीव-दया के कार्य किए गए, जिसके तहत पशु-पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था और अस्पतालों में फल वितरण किया गया। समाज के प्रबुद्ध जनों ने वर्तमान युग में महावीर के सिद्धांतों को प्रासंगिक बताया। संध्याकाल में भव्य महाआरती और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ इस महापर्व का सानंद समापन हुआ, जिसने संपूर्ण क्षेत्र को धर्ममय कर दिया।

भगवान महावीर भव क्विज: मानवी, सिद्धम और सृष्टि जैन ने मारी बाजी

डडूका. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में 'दिंबर जैन पाठशाला डडूका' द्वारा 'जिनागम परिवार' के सौजन्य से एक विशेष 'भव क्विज' प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। भगवान महावीर के 32 पूर्व भवों पर आधारित इस रोचक प्रतियोगिता के पहले चरण में 11 बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद फाइनल राउंड के लिए 5 बच्चों का चयन किया गया। निर्णायक मंडल के सदस्य अजीत कोठिया, नितेश जैन और पलाश जैन के समक्ष बच्चों ने फिल्म प्रदर्शन पर आधारित कठिन प्रश्नों के सटीक उत्तर दिए। प्रतियोगिता के परिणामों में मानवी पीयूष जैन ने भगवान के 31 पूर्व भवों के सही नाम बताकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, सिद्धम जैन ने 22 भवों के साथ द्वितीय और सृष्टि जैन ने 21 भवों के नाम बताकर तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त रियल जैन, कल्प जैन और भाग्य जैन का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा। विजेताओं के लिए क्रमशः 500, 300 और 200 रुपये के नकद पुरस्कारों की घोषणा की गई। इस अवसर पर दुबई से आए विद्वान नितेश भैया ने डडूका पाठशाला के उच्च शैक्षिक स्तर की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया ने किया और आभार प्रदर्शन मनोज एस. शाह द्वारा किया गया।

अग्रवाल समाज सेवा समिति ट्रस्ट की ''परिचायिका-2026'' का भव्य विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अग्रवाल समाज सेवा समिति ट्रस्ट (टोंक रोड) की ओर से प्रकाशित ''परिचायिका-2026'' का गरिमामय विमोचन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी मुरारी लाल गुप्ता एवं आरडी गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में परिचायिका का विमोचन कर समाज के समक्ष प्रस्तुत किया।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

ट्रस्ट के अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद गुप्ता ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर समाज की कई प्रतिष्ठित विभूतियाँ उपस्थित रहीं। इनमें सलाहकार मंडल के सदस्य एलआर गुप्ता, डॉ. ओपी गुप्ता, एडवोकेट एमएल गुप्ता, प्रहलाद स्वरूप अग्रवाल (मार्बल वाले), महेंद्र सिंघल, विनोद कुमार अग्रवाल, रामकुमार अग्रवाल (कारपेट वाले) और सुरेश गुप्ता प्रमुख थे। साथ ही, समिति अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, ट्रस्ट महासचिव दीपक कुमार सिंहल और केके सिंघल ने भी कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

नए ट्रस्टियों का सम्मान और मंच संचालन

विमोचन समारोह के दौरान एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विगत वर्षों में ट्रस्ट से जुड़े नये ट्रस्टियों का सम्मान कर उन्हें समाज सेवा के कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का सफल और प्रभावी मंच संचालन नीरज अग्रवाल एवं घनश्याम लाल गुप्ता द्वारा किया गया। यह परिचायिका समाज के सदस्यों के बीच समन्वय और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी।

समाजसेवी मुनिभक्त पदम बिलाला ने प्राप्त किया मुनि संघ का आशीर्वाद

समाजसेवी मुनिभक्त पदम बिलाला ने परम पूज्य अभिक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी मुनिराज के परम प्रभावक शिष्य, फरीदाबाद सेक्टर-37 में विराजित द्वय मुनि श्री 108 श्रद्धानन्द जी एवं मुनि श्री 108 पवित्रानन्द जी को श्रीफल भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सम्मान समारोह के साथ संपन्न हुआ 'महामासिक मिलन'

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन मिलन के आह्वान पर स्थानीय जैन मिलन परिवार द्वारा मंगलवार रात्रि को जैन भवन में 'महामासिक मिलन' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। भक्ति और उत्साह से भरे इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी रही।

बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियां

कार्यक्रम का शुभारंभ महावीर प्रार्थना और णमोकार महामंत्र के सामूहिक पाठ के साथ हुआ। इसके पश्चात पार्श्वनाथ जैन मंदिर, शांतिनाथ मंदिर, गांव मंदिर और सुभाष गंज मंदिर की पाठशालाओं के बच्चों द्वारा अत्यंत सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। इन नन्हे कलाकारों की प्रतिभा ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। आयोजकों द्वारा सभी प्रस्तुति देने वाले बच्चों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

सेवा और समर्पण का सम्मान

इस अवसर पर पाठशालाओं में निःशुल्क धार्मिक शिक्षा देने वाली सभी 'दीदियों' (शिक्षिकाओं) का विशेष सम्मान किया गया। साथ ही, समाज की व्यवस्थाओं में निरंतर योगदान देने वाले दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष राकेश कांसल, महामंत्री राकेश अमरोद और श्वेतांबर जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र कोचर का भारतीय जैन मिलन की चारों शाखाओं द्वारा शॉल और श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया गया।

मार्गदर्शन और उपस्थिति

समारोह के मुख्य अतिथि एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय मंत्री नरेश चंद जैन ने अपने संबोधन में कहा कि हमें निःस्वार्थ सेवा, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों के साथ सामाजिक कार्य करने चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन (कैंची बीड़ी) और सह-संयोजक निर्मल मिर्ची के कुशल मार्गदर्शन में यह आयोजन सफल रहा।

अशोका ग्रीन में ''झलक'' का आगाज, फैशन और स्टाइल का उमड़ा सैलाब

पहले ही दिन भीड़, ब्रांड्स की चमक और खरीदारों के चेहरे पर संतुष्टि की झलक

उदयपुर. शाबाश इंडिया

झीलों की नगरी में फैशन का रंग इन दिनों कुछ खास ही नजर आ रहा है। अशोका ग्रीन, शोभागपुरा में 1 अप्रैल से शुरू हुई दो दिवसीय प्रीमियम फैशन एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी ''झलक'' ने पहले ही दिन शहरवासियों का दिल जीत लिया। उद्घाटन के साथ ही बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचे और खरीदारी के साथ-साथ नए ट्रेंड्स को करीब से देखने का उत्साह साफ दिखाई दिया। प्रदर्शनी स्थल पर हर वर्ग के लोगों की मौजूदगी इस बात का संकेत दे रही थी कि उदयपुर में फैशन के प्रति रुझान लगातार बढ़ रहा है। स्टॉल्स पर सजी आकर्षक कलेक्शंस, रंग-बिरंगे परिधानों और यूनिक डिजाइनों ने आगंतुकों को खासा प्रभावित किया। लोगों के चेहरे पर खरीदारी के बाद की संतुष्टि इस आयोजन की सफलता को खुद बयां कर रही थी। इस अवसर पर शी सर्कल इंडिया एवं उदयपुर तम्बोला ग्रुप

फाउंडर तारिका भानुप्रताप सिंह, कैट वुमन विंग अध्यक्ष विजयलक्ष्मी गर्लुडिया, स्वर्ण सिल्वर ओनर व कैट सचिव डॉ. सोनू जैन, बिजनेस सर्कल इंटरनेशनल के फाउंडर एंड चेयरमैन मुकेश माधवानी, ओरिएंटल पैलेस रिसोर्ट्स की एमडी व बीसीआई टूरिज्म प्रेसीडेंट डॉ. श्रद्धा गट्टानी, कंटेंट क्रिएटर वर्षा बाइसा राव, बीसीआई उत्सव प्रेजिडेंट संजीव पटवा सहित मीनल जैन, सुनीता पटोगिया, भावना कड़िया, अरवा खरोड़वाला, शेरबानू तिनवाला, तरुणा चपलोत, ऋतु भटनागर, वर्षा जैन सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। आयोजक निहार गुप्ता के अनुसार ''झलक'' केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जहां फैशन को महसूस किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी देशभर के प्रतिष्ठित ब्रांड्स और डिजाइनर्स को एक छत के नीचे लाने का प्रयास किया गया है, ताकि शहरवासियों को विविधता और गुणवत्ता दोनों का अनुभव मिल सके। प्रदर्शनी में बनारसी, जरदौशी, टसर और कोषा जैसे प्रीमियम फैब्रिक्स से लेकर इंडो-वेस्टर्न, वेस्टर्न और किड्स वियर तक की व्यापक रेंज उपलब्ध है। साथ ही स्टेटमेंट सिल्वर ज्वेलरी, फैशन एक्सेसरीज और होम डेकोर आइटम्स भी लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। दिल्ली, जयपुर, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद और चंडीगढ़ से आए प्रतिभागियों ने इस आयोजन को राष्ट्रीय स्तर की पहचान दी है। समर सीजन को ध्यान में रखते हुए हल्के, आरामदायक और स्टाइलिश फैब्रिक्स की खास कलेक्शन यहां उपलब्ध है, जो युवाओं और महिलाओं के बीच खासा पसंद की जा रही है। सुव्यवस्थित पार्किंग, सहयोगी स्टाफ और ग्राहकों के लिए बेहतर सुविधाएं इस प्रदर्शनी को और खास बना रही हैं। ह्यझलकह्न 2 अप्रैल को भी सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुली रहेगी, जहां फैशन प्रेमियों के लिए नए ट्रेंड्स को करीब से जानने और खरीदने का सुनहरा अवसर है।

रिपोर्ट /फोटो
राकेश शर्मा 'राजदीप'

डीपीएस उदयपुर में भविष्य की पढ़ाई का नया अध्याय, स्टेम-एआई लैब की शुरूआत

प्रयोगात्मक शिक्षा, कोडिंग और इनोवेशन से विद्यार्थियों को मिलेगा आधुनिक कौशलों का प्रशिक्षण

उदयपुर. शाबाश इंडिया

बदलते दौर में शिक्षा को तकनीक से जोड़ने की दिशा में दिल्ली पब्लिक स्कूल, उदयपुर ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए नए सत्र 2026-27 में स्टेम रोबोटिक्स एवं एआई इनोवेशन लैब का शुभारंभ किया। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के अनुरूप विद्यार्थियों को कौशल आधारित और प्रयोगात्मक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में उठाया गया कदम है। लैब का उद्घाटन उदयपुर सोलर ऑब्जर्वेटरी के प्रोफेसर डॉ. भुवन जोशी ने किया। इस अवसर पर प्रबंधन समिति की सदस्या आशिता अग्रवाल ने कहा कि अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित यह लैब विद्यार्थियों को ऑटोमेशन, कोडिंग, प्रोग्रामिंग और प्रोजेक्ट आधारित लर्निंग के माध्यम से नई तकनीकों को समझने और विकसित करने का अवसर देगी। प्रो वाइस चेयरमैन गोविंद अग्रवाल ने इसे विद्यालय की गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में अहम पहल बताते हुए कहा कि छात्रों को आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। वहीं प्राचार्य संजय नरवरिया ने कहा कि अब शिक्षा केवल सैद्धांतिक नहीं रही, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान और नवाचार पर आधारित हो रही है, जिससे छात्र क्रिटिकल थिंकिंग और समस्या समाधान जैसे कौशलों में दक्ष बनेंगे। कार्यक्रम में वन संरक्षक सुनील छिब्री, डॉ. आनंद भास्कर, डॉ. चांदनी जोशी एवं डॉ. ए.के. सचेती सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की।

रिपोर्ट/फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

दीपक बने उदयपुर टैक्स बार एसोसिएशन अध्यक्ष, हातिम कांकरोलीवाला सचिव

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संभाग की 75 वर्ष पुरानी प्रतिष्ठित उदयपुर टैक्स बार एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा आसोजित की गई। जिसमें दीपक एरन को अध्यक्ष और हातिम हुसैन कांकरोलीवाला को सचिव चुना गया। एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष गौतम सुखलेचा ने बताया कि नई कार्यकारिणी में अरुण रत्नावत को उपाध्यक्ष, अंकित जैन संयुक्त सचिव एवं कोषाध्यक्ष, सविता गुप्ता साहित्य सचिव, पंकज नेवटिया सांस्कृतिक सचिव, हितेश भदादा, सुनील सिंघल, राहुल उदावत, रोहन मित्तल एवं गिरीश बोहरा को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। नॉमिनेशन कमेटी अध्यक्ष सुधीर मेहता ने बताया कि इसी प्रकार उदयपुर टैक्स बार चैरिटेबल सोसायटी के चुनाव में दीपक प्रजापत को अध्यक्ष, महेश मडोवरा को सचिव, अंकित जैन को कोषाध्यक्ष तथा राजेश देवपुरा, राकेश पोरवाल व अंशुल कटेजा को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया।

एसोसिएशन के निवर्तमान सचिव अंकुश जैन ने बताया कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष दीपक एरन ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बताते हुए सरकारी विभागों से विशेषकर आयकर एवं केंद्रीय तथा राज्य वस्तु कर विभाग से टैक्स बार सदस्यों के समन्वय की आवश्यकता जताई, साथ ही टैक्स बार सदस्यों द्वारा सामाजिक हितार्थ टैक्स संबंधी सेवाओं के बारे में भी अपने विचार व्यक्त किए। इससे पूर्व निवर्तमान अध्यक्ष गौतम सुखलेचा ने वार्षिक आम सभा में उपस्थित 250 से अधिक सदस्यों के समक्ष अध्यक्षीय संबोधन में वर्ष भर की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि उनके कार्यकाल में 14 से अधिक स्टडी सर्कल मीटिंग्स, मेडिकल कैंप, रक्तदान शिविर, आरआरसी, आयकर एवं जीएसटी विभाग सहित विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिताएं तथा राष्ट्रीय पर्वों पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। उदयपुर टैक्स बार चैरिटेबल सोसायटी के निवर्तमान अध्यक्ष पवन तलेसरा और सचिव कल्पेश जैन ने बताया कि इस अवसर पर सदस्यों और परिवारिक सदस्यों के लिए के लिए होली मिलन एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से सीए नानावटी, महेश मेनारिया, सी.पी. बंसल, संदीप लोढ़ा, आशीष रतनावत, आनंद पगारिया, अमित तिवारी एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इसके अलावा सीए पंकज जैन, सी.पी. बाल्दी, शैलेश माहेश्वरी एवं सम्पूर्ण स्पोर्ट्स कमेटी तथा इस वर्ष जुड़े 11 नए सदस्यों सहित सुधीर मेहता का नामांकन समिति के गठन में महत्वपूर्ण योगदान हेतु आभार व्यक्त किया गया। इसी क्रम में चैरिटेबल ट्रस्ट के नवनिर्वाचित चेयरमैन दीपक प्रजापत ने सामाजिक कार्यों में नवाचार लाते हुए ट्रस्ट को नई बुलंदियों तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

रिपोर्ट/फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

टोडरमल स्मारक में महावीर जयंती की धूम

'इन्द्र सभा' और 'राज सभा' के जीवंत मंचन ने मोहा मन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी के बापू नगर स्थित पंडित टोडरमल स्मारक भवन के मुख्य सभागार में भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर भक्ति और कला का अद्भुत संगम देखने को मिला। समारोह में जन्म कल्याणक, राज सभा एवं इन्द्र सभा का भव्य मंचन किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया। पंडित टोडरमल वीतराग विज्ञान महिला मंडल की अध्यक्ष सुशीला जैन (अलवरवाली) के कुशल निर्देशन में मंडल की 40 सदस्यों ने मात्र चार घंटे के संक्षिप्त अभ्यास के बाद मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम का शुभारंभ ऐनी जैन और उनके समूह द्वारा प्रस्तुत मनमोहक मंगलाचरण नृत्य से हुआ। मुख्य समन्वयक हीरा चंद बैद ने बताया कि समारोह में नम्रता जैन, मधु जैन, नमिता छाबड़ा और रेखा पाटनी सहित कई विशिष्ट अतिथियों का तिलक, माला और दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया।

आध्यात्मिक व्याख्या और मनमोहक अभिनय

सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य पंडित जिनेन्द्र कुमार शास्त्री ने राजा-रानी और इंद्र-इंद्राणियों के जिज्ञासापूर्ण संवादों के माध्यम से तीर्थंकरों के कल्याणकों का आध्यात्मिक महत्व समझाया। गायक रिमांशू और दिव्यांशु शास्त्री के भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंच पर राजा सिद्धार्थ के रूप में प्रमिला जैन, माता त्रिशला के रूप में चारू जैन और सौधर्म इंद्र के रूप में वामाक्षी बज के अभिनय ने दर्शकों को कुण्डलपुर के राजदरबार की जीवंत अनुभूति कराई।

विशेष आकर्षण

अखिल जैन द्वारा तैयार की गई बड़ी स्क्रीन पर कुण्डलपुर और स्वर्ग के दृश्यों के डिजिटल डिस्प्ले ने प्रस्तुति को आधुनिक और भव्य स्वरूप प्रदान किया। एक जैसे परिधानों में सजी आदर्श नगर मुल्तान महिला मंडल की सदस्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इस अवसर पर शांति लाल गंगवाल, सीए प्रदीप जैन और प्रमोद शास्त्री सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरा सभागार दर्शकों से खचाखच भरा रहा, जिन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

श्री महावीर जी में 'नाटक दर्पण' का मंचन

भगवान शांतिनाथ के वैराग्य और वैभव की दिखी झलक

श्री महावीर जी (करौली). शाबाश इंडिया। अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में महिला जागृति संघ द्वारा 'नाटक दर्पण' के माध्यम से 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ के जीवन और वैराग्य का सफल मंचन किया गया। नाटक में प्रभु की महिमा को दर्शाते हुए दिखाया गया कि कैसे राजा विश्वसेन की रानी अरावती ने गर्भ धारण से पूर्व 16 शुभ मंगलकारी स्वप्न देखे। मंचन के दौरान दर्शाया गया कि शांतिनाथ भगवान तीन सर्वोच्च पदवियों (तीर्थंकर, चक्रवर्ती और कामदेव) के धारी थे। उनके गर्भ में आने की खुशी में सौधर्म इंद्र की आज्ञा से कुबेर द्वारा 15 माह तक अनवरत रत्न वर्षा की गई। नाटक में उनके अद्वितीय वैभव का चित्रण किया गया, जिसमें 6 खंडों पर राज, 96 हजार रानियां और 32 हजार आज्ञाकारी राजाओं का समावेश था। अंत में, 1 लाख वर्ष की आयु पाने वाले प्रभु ने कैसे राजसी सुखों का त्याग कर तपस्या के माध्यम से केवलज्ञान और मोक्ष लक्ष्मी को प्राप्त किया, इस दृश्य ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। इस सफल प्रस्तुति में सरोज छाबड़ा, शशि जैन, शारदा सोनी, विमल गोधा, साधना काला, उर्मिला बाकलीवाल और विजय सोनी सहित समाज की अनेक महिलाओं और बच्चों ने अपने जीवंत अभिनय से चार चाँद लगा दिए। सुनील पहाड़िया, अनिल जैन और ज्योति बाकलीवाल सहित बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कलाकारों के अभिनय की सराहना की।

।। श्री महावीराय नमः ।।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी (राजस्थान)

वार्षिक मेला - 2026

27 मार्च से 03 अप्रेल 2026

मेले के मुख्य आकर्षण

चैत्र सुदी 9-10 वीर नि.सं. 2552, शुक्रवार 27 मार्च, 2026
मेले की स्थापना

चैत्र सुदी 13 वीर नि.सं. 2552, सोमवार 30 मार्च, 2026
महावीर जयन्ती
प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, जल यात्रा, धर्मसभा, दिव्यांग शिविर
सांस्कृतिक संध्या
(दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय श्री महावीरजी के सौजन्य से)
सांस्कृतिक संध्या
(महानाट्य प्रस्तुति रंगशाला एकेडमी, साधना मादावत इन्दौर द्वारा)

चैत्र सुदी 14 वीर नि.सं. 2552, मंगलवार 31 मार्च, 2026
भक्ति संध्या
(श्री नरेन्द्र कुमार जैन, जयपुर द्वारा)
राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या
(पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान के सौजन्य से)

चैत्र सुदी 15 वीर नि.सं. 2552, बुधवार 01 अप्रेल, 2026
सांस्कृतिक संध्या
महिला जागृति संघ, जयपुर द्वारा
राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

वैशाख कृष्णा 01 वीर नि.सं. 2552 गुरुवार 02 अप्रेल, 2026
विशाल रथयात्रा एवं कलशाभिषेक

वैशाख कृष्णा 02 वीर नि.सं. 2552 शुक्रवार 03 अप्रेल, 2026
ग्रामीण खेल-कूद, कुश्ती दंगल
मेला समापन

प्रमुख दैनिक कार्यक्रमः सामूहिक पूजन (श्री वीर संगीत मण्डल, जयपुर द्वारा), भजन, सामूहिक आरती, नृत्य आदि

इस मंगलमय पुनीत अवसर पर सपरिवार पधारने हेतु अनुरोध ।

विनीतः प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

सुधान्शु कासलीवाल (अध्यक्ष), चन्द्र प्रकाश जैन (उपाध्यक्ष), पूनम चन्द्र शाह (उपाध्यक्ष), उमरावमल संघी (मंत्री), रूपिन के. काला (संयुक्त मंत्री), अनिल पाटनी (दीवान) (संयुक्त मंत्री),हेमन्त सौगानी (कोषाध्यक्ष)
सदस्यः नरेश कुमार सेठी, पदेन अध्यक्ष भारतवर्षीय दि. जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी, मुम्बई, डॉ कमल चन्द सौगानी, जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन, अशोक जैन, शान्ति कुमार जैन, कमल कुमार बड़जात्या, जस्टिस नरेन्द्र कुमार जैन, अशोक पाटनी, सुभाषचन्द जैन, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, विवेक काला, डॉ. पदमकुमार जैन, प्रदीप कुमार जैन, सुरेश सबलावत

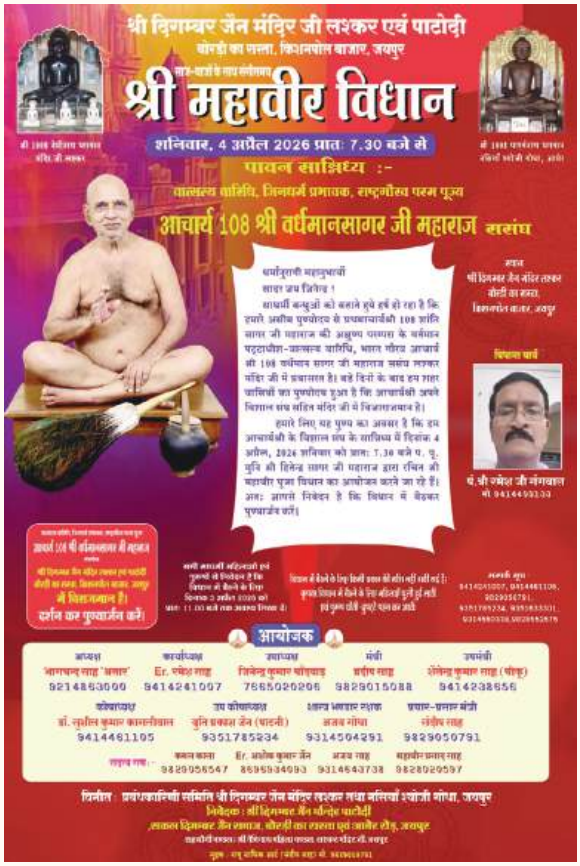

आचार्य वर्धमान सागर महाराज के सानिध्य में 'महावीर विधान' 4 अप्रैल को

किशनपोल बाजार में उमड़ेगा श्रद्धा का सैलाब

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुलाबी नगरी के किशनपोल बाजार स्थित दिगंबर जैन मंदिर लश्कर (बोरड़ी का रास्ता) में आगामी 4 अप्रैल, शनिवार को एक भव्य धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन होने जा रहा है। वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में 'महावीर विधान पूजन' अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न होगा। प्रभारी डॉ. सुशील कासलीवाल ने बताया कि प्रबंधकारिणी समिति श्री दिगंबर जैन मंदिर लश्कर तथा नसियां श्योजी गोधा के तत्वावधान में आयोजित इस विधान की रचना मुनि श्री हितेंद्र सागर जी महाराज द्वारा की गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 7:30 बजे से होगा, जिसमें प्रसिद्ध विधान विधाता पंडित रमेश जी गंगवाल सस्वर संगीत के साथ पूजन संपन्न करवाएंगे। यह ऐतिहासिक अवसर है जब आचार्य श्री ससंघ मंदिर लश्कर एवं मंदिर पाटोदी में विराजमान हैं। आयोजन समिति ने सभी धर्मानुरागी बंधुओं से इस पुण्यकारी अवसर का लाभ उठाने और अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की है।

पंजीकरण हेतु संपर्क: विधान में बैठने के इच्छुक श्रद्धालु निम्नलिखित संयोजकों से संपर्क कर अपना नाम लिखवा सकते हैं:

श्रीमती मधु हाड़ा (नेमिनाथ महिला मंडल): 9351633301
डॉ. सुशील कासलीवाल (प्रभारी, मंदिर लश्कर): 9414461105
भागचंद साह (प्रभारी, मंदिर पाटोदी): 9983073866

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL Infratech Ltd.
प्रायोजक समाचार जगत
श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद् द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
शुक्रवार 3 अप्रैल 2026
प्रातः 10 से 2 बजे तक
स्थान : श्री महावीर कॉलेज
सी-स्कीम, जयपुर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद
उमराव मल संघी - अध्यक्ष
सुनील बख्शी - मानद् मंत्री
महेश काला - कोषाध्यक्ष
सी.ए. प्रमोद पाटनी - संयोजक
डॉ. आशीष गुप्ता - प्राचार्य (श्री महावीर कॉलेज)
: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया
Vardhman Printers # 9314263204

मिशन मोड पर रामजल सेतु लिंक परियोजना

मुख्यमंत्री ने दिए पीआईबी नोट को शीघ्र अंतिम रूप देने के निर्देश, निर्बाध जल आपूर्ति होगी सुनिश्चित

पूर्वी राजस्थान के लिए जल क्रांति: केंद्रीय जल आयोग ने पूर्ण किया तकनीकी परीक्षण

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि पूर्वी राजस्थान की जीवनरेखा मानी जाने वाली रामजल सेतु लिंक परियोजना अब अपने निर्णायक चरण में पहुँच गई है। केंद्रीय जल आयोग ने इस परियोजना की विस्तृत कार्य योजना का तकनीकी परीक्षण पूर्ण कर लिया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परियोजना के वित्त पोषण के लिए पीआईबी नोट को तत्काल अंतिम रूप दिया जाए और इसके लिए केंद्र सरकार के साथ आवश्यक समन्वय स्थापित किया जाए। बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए शर्मा ने स्पष्ट किया कि इस परियोजना का उद्देश्य आमजन को निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिए कि परियोजना के विभिन्न घटकों में तेजी लाई जाए और इसे मिशन मोड पर पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पेयजल आपूर्ति का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि संबंधित जिलों की जनता को राहत मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना की प्रगति की निगरानी के लिए मंत्री और मुख्यमंत्री स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित की जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से हर महीने की प्रगति रिपोर्ट लेने और कार्यों का सघन पर्यवेक्षण करने पर जोर दिया। शर्मा ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि

परियोजना से प्रभावित होने वाले लोगों को मुआवजे के वितरण में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि नवनेरा बैराज और ईसरदा बांध का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इसके अलावा, रामगढ़ बैराज और महलपुर बैराज के ड्रेनेज फीडर का कार्य भी पूरा हो चुका है।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर, शान्ति नगर
के तत्वावधान में युवा मण्डल, महिला मण्डल द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 5 अप्रेल 2026
प्रातः 9 से 2 बजे तक

स्थान : श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर
शान्ति नगर, दुर्गापुरा, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

शिविर उद्घाटन कर्ता : श्रीमान् उमरावमल जी–कुसुम जी संघी, मानद सचिव : अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी
श्री नवीन जी–दिपाली जी, नमित, दिशी, भव्य संघी

शिविर संयोजक : संजय जैन 9351533399
मैकिन गोदिका 9549341550, अजय जैन 9214300294
विवेक जैन 9829585858, शिवाल जैन 9413341501
नितिन पाटोदी 9887908259, राहुल ठोलिया 9785550004

दीपप्रज्ज्वलन कर्ता :
श्रीमान् अतुल कुमार जी–पूजा जी सेठी

विशिष्ट अतिथि : श्री सुधीर जी नाटाणी
श्री दिनेश जी मेहता, श्री कमल जी मोतियानी

सहयोगी संस्था :
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार
अध्यक्ष : मोहनलाल गंगवाल
सचिव : विजय पाण्ड्या

श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति
अध्यक्ष : सुशील गोधा, मंत्री : सुनील बिलाला
युवा मण्डल
अध्यक्ष : अजय जैन, मंत्री : संजय जैन
एवं समस्त कार्यकारिणी युवा मण्डल
महिला मण्डल
अध्यक्ष : अरूणा छाबड़ा, मंत्री : साक्षी जैन

: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : दर्शन-विनीता बाकलीवाल
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, नि. अध्यक्ष : राजेश-सीमा बड़जात्या
सचिव : नीरज-रेखा जैन, कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, नि. अध्यक्ष : मनीष-शोभना लोंग्या
सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा, कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

Vardhman Printers # 9314263204